कवायद

मुख्यमंत्री की सहमति मिलने के बाद लैंड पुल सिस्टम का ड्राफ्ट हो गया तैयार

पहली बार दो सड़कों का निर्माण लैंड पुल सिस्टम से

राज्य ब्यूरो, पटना : सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की समस्या से परेशान सरकार अब लैंड पुल सिस्टम से काम करेगी। राज्य सरकार ने लैंड पुल सिस्टम की नीति को ड्राफ्ट किया है। इसे कैबिनेट की अनुशंसा के लिए भेजा जाना है। पथ निर्माण विभाग के आला अधिकारी ने बताया कि लैंड पुल सिस्टम के प्रस्ताव पर आगे बढ़ने के बारे में मुख्यमंत्री की पूर्व से सहमति है। हाल ही में पटना एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के सिलसिले में आई केंद्रीय टीम ने इस बारे में एक प्रेजेंटेशन भी दिया था। गुजरात में क्रियान्वित हुए एक प्रोजेक्ट का उदाहरण दिया गया था।

बीएसआरडीसी ने तैयार किया लैंड पुल नीति का ड्राफ्ट : बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बीएसआरडीसी)ने लैंड पुल नीति का ड्राफ्ट तैयार किया है। उच्च स्तर पर ड्राफ्ट को सहमति मिल जाने के बाद इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मूल रूप से बड़े प्रोजेक्ट में निर्माण लैंड पुल सिस्टम के माध्यम से किया जाएगा।

ये सड़कें बनेंगी लैंड पुल सिस्टम से

- सगुना मोड़ से शिवाला होते हुए बिहटा एयरपोर्ट तक
- बाईपास दक्षिणी हिस्से में साठ मीटर चौड़ी सड़क

दो सड़कों के लिए बनी योजना : लैंड पुल सिस्टम के तहत फिलहाल दो सड़कों को लाने की योजना है। इसमें पहली सगुना मोड़ से शिवाला होते हुए बिहटा में प्रस्तावित हवाई अड्डा तक की सड़क है। इस संबंध में विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह बिल्कुल ही नई सड़क होगी। वर्तमान एलायनमेंट पर जो सड़क है उससे काफी दूर दक्षिण जाकर छह लेन में ग्रीन फील्ड सड़क बनाने की योजना है। दूसरी सड़क वर्तमान में पटना बाईपास के दक्षिण साठ मीटर चौड़ी सड़क बनाई जानी है। यह सड़क पटना मास्टर प्लान की सड़क है।

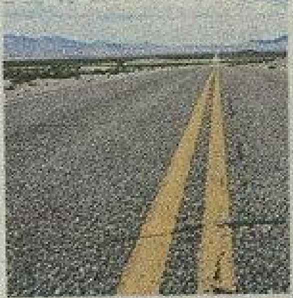

क्या है लैंड पुल सिस्टम

लैंड पुल सिस्टम के तहत सरकार किसी जमीन को विकसित करने के लिए किसान से करार के तहत लेती है। जरूरत से अधिक जमीन का करार किया जाता है। उक्त जमीन पर आधारभूत संरचना विकसित की जाती है। आधारभूत संरचना विकसित हो जाने से जमीन महंगी हो जाती है। मालिक से तय करार के अनुसार विकसित जमीन का तय हिस्सा जमीन मालिक को उसके जमीन के अनुपात के आधार पर उपलब्ध करा दिया जाता है। अगर जमीन मालिक अपना जमीन बेचना चाहे तो बेच भी सकता है। देश में लैंड पुल सिस्टम के तहत कई जगहों पर एयरपोर्ट, आवासीय कॉलोनी और सड़कों का निर्माण हो चुका है।